Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
p-ISSN : 2231–167X, Impact Factor : 2.3982, Volume 07, No. 03, July, 2017, pp. 342-344

सामान्य एवं विकलांग किशोर विद्यार्थियों की कार्यक्षमता का अध्ययन

डॉ. जितेन्द्र कुमार लोढ़ा*
रमेश कुमार**

प्रस्तावना

जीवन के प्रारम्भिक काल में व्यक्ति का व्यक्तित्व विद्यालय से प्रभावित हुआ होता है। उसकी भूमिका को नकारा नही जा सकता, क्योंकि प्रत्येक बालक का व्यक्तित्व विशेष होता है। अलग–अलग सक्षमता वाले विद्यार्थियों में जल्दी घुल–मिल जानेवाले, निडर, जल्दी से सवाल जवाब करने, कार्यशील, आदर्शवादी आदि अनेक गुण अलग–अलग होते हैं।

विद्यार्थी चाहे किसी भी सक्षमता वाला हो, उनके लिए उनकी कार्यक्षमता उनकी भावी सफलता का सम्बल बनेगा। विद्यार्थी कक्षा शिक्षण के दौरान अपने शिक्षण पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम के समस्त प्रयासों को कैसे ग्रहण करेगा, उसकी पूर्व योजना विधि, योजना प्रविधि, उसके आत्मविश्वास का संकेत करती है, जो उसके व्यक्तित्व की विशेषता है और इसी शोध का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य सामान्य एवं विकलांग किशोर विद्यार्थियों में विद्यमान कार्यक्षमता को खोजना है।

विकलांग अपनी क्षमताओं को पहचानें और इनका विकास करें तभी उसका जीवन सुखमय हो सकता है। वे दूसरों पर आश्रित न रह कर आत्मनिर्भर बनें। क्योंकि आज व्यक्ति या राष्ट्र चाहें वे किसी भी अवस्था में हो, दूसरों पर निर्भर रहकर जीवित नहीं रह सकते हैं। इसी सन्दर्भ में **आर. के. मिश्रा** का कथन है कि–''विकलांग एकमात्र विज्ञान देवता की उपासना करें तो उन्हें किसी प्रकार का अभाव न होगा। विज्ञान तो मात्र संकेत पर ही व्यक्ति को धन धान्य से परिपूर्ण कर देना चाहता है। अतः विकलांग इस तथ्य को पहचानें एवं अपने जीवन दर्शन में परिवर्तन करें।

अध्ययन का महत्व

मनोवैज्ञानिक धारणा एवं मानव जीवन की प्रकृति का विभिष्ट तथ्य यह है कि इस सृष्टि में एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से विविध आधारों, सक्षमताओं एवं आदतों के चलते एक दूसरे से भिन्न है। व्यक्ति से व्यक्ति भिन्नता एक ध्रुव सत्य है। शिक्षा व सिखाने के मनोविज्ञान में वैयक्तिक भिन्नताओं का ध्यान रखना मुख्य घटक है। किसी भी व्यक्ति की कार्यक्षमता उसके शैक्षिक जीवन एवं सिखने के स्तरों पर प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालता है। अनेक मनोवैज्ञानिक शोधों से यह तथ्य तो स्पष्ट हो गया है कि भिन्न–भिन्न क्षमताधारी व्यक्तित्व का जीवन पैटर्न व्यवहार, आदतें, कार्यक्षमता आदि भी अलग–अलग होती है। अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति की जन्मजात या संग्रहीत सक्षमताओं की भिन्नता के चलते उनके भावी जीवन के पैटर्न पर भी प्रभाव पड़ता है।

* शोध निर्देशक, आईएएसई मान्य विश्वविद्यालय, सरदारशहर, चूरू, राजस्थान।
** पी–एच.डी. शोध छात्र, आईएएसई मान्य विश्वविद्यालय, सरदारशहर, चूरू, राजस्थान।